M.L.S. COLLEGE, SARISAB-PAHI, MADHUBANI
B.A. PART 2 (HONS.) - SCHEDULED CASTE
BY. SANA PARVEEN
DEPT. OF. SOCIOLOGY
LECTURE-1 03-04-2020

अनुसूचित जाति

वर्तमान मे जिसे अनुसूचित जाति कहा जाता है, उसे अतीत मे कई अन्य नामो जैसे अशुद्ध, हरिजन, दलित, अस्पृश्य अद्भुत आदि नाम से जाता है। जाति पदक्रम मे यह सबसे निम्न स्थान पर पाये जाते है। जिन पर कई प्रकार की सामाजिक निर्योग्तायें आरोपित की जाती थी। जैसे -
मन्दिर प्रवेश निषेध।
सार्वजनिक तालाबो, कुओ, सड़को इत्यादि का उपयोग निषेध।
अस्पृश्यता का पालन इत्यादि।

डा०डी०एन मजुमदार के अनुसार, "अस्पृश्य जातियाँ वे है जो विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक निर्योग्ताओ से पीड़ीत है, जिनमे से बहुत सी निर्योग्यतांए उच्च जातियो द्वारा परम्परागत रूप से निर्धारित और सामाजिक रूप से लागू की गयी है।"

1929 में साइमन कमीशन ने

Scanned with CamScanner

दलितों तथा हरिजनों के लिये 'अनुसूचित जाति' शब्द प्रस्तावित किया। जिसे भारतीय संविधान ने भी मान्यता दी। अनुसूचित जनजाति की तरह ही अनुसूचित जाति की भी कोई निश्चित सर्वमान्य परिभाषा नहीं है। किसी भी जाति को अनुसूचित जाति ~~कुल~~ घोषित करने का अधिकार राष्ट्रपति को है। भारत में अनुसूचित जाति कुल जनसंख्या की 16% है। देश की अनुसूचित जाति की कुल जनसंख्या का लगभग 74% केवल 10 राज्यों में निवास करता है। पंजाब (31.9%), हिमाचल प्रदेश (25.2%), पश्चिम बंगाल (23.5%), उत्तर प्रदेश (20.7%), हरियाणा (20.2%), तमिलनाडु (20%), उत्तराखण्ड (18.8%), राजस्थान (17.8%), त्रिपुरा (17.8%) तथा ओडिशा (17.1%)।

सना परवीन
03/04/2020

Scanned with CamScanner

M.L.S. COLLEGE, SARISAB-PAHI, MADHUBANI
B.A. PART. 2 (SIG) - ALCOHALISM
BY- SANA PARVEEN
DEPT. OF SOCIOLOGY
LECTURE-2 03-04-2020

मद्यपान के दुष्प्रभाव

1.) **शारीरिक प्रभाव:** लम्बे समय तक अधिक मात्रा मे मद्य सेवन से अनेक प्रकार की बीमारियाँ पनपती है। उसकी जीवन आशा (Life Expectancy) कम हो जाती है। गले का कैंसर, हृदय रोग, श्वास कष्ट व अनेक शारीरिक अक्षमता का शिकार व्यक्ति बनता है।

2.) **जन्मजात व जनिक प्रभाव** शराब पीने से गर्भपात तथा बच्चो की मृत्यु दर भी अधिक पायी जाती है। बच्चे मानसिक रूप से रुग्ण तथा मिरगी की बीमारी से ग्रसित हो जाते है। शराब पीने से व्यक्ति की मानसिक दक्षता भी कम हो जाती है।

3.) **शराब एवं दुर्व्यवहार:** शराब का सम्बन्ध अपराध, वेश्यावृत्ति, जुआ, चोरी, आदि गैर कानूनी व्यवहारो से भी जोड़ा जाता है। शराब के कारण सामाजिक संगठन के लिये एवं व्यवहार प्रतिमानो को लागू करने मे कठिनाई होती है।

4) **शराब और दुर्घटना:** औद्योगिक एवं यातायात सम्बन्धी दुर्घटनाओ के लिये शराब

Scanned with CamScanner

उत्तरदायी माना जाता है। बीमा अधिकारियों एवं पुलिस की रिपोर्ट भी इस पक्ष में है।

5.) शराब व वैयक्तिक विघटन : शराब पीने वाले व्यक्ति अपनी सम्पत्ति शराब में नष्ट कर देते है। मित्रों व अपरिचितों से झगड़ा कर बैठते है। परिवार का ध्यान नही रख पाते। परस्त्रीगमन करते है। व्यक्ति की कार्यक्षमता भी प्रभावित होती है।

6) शराब व गरीबी एवं बेकारी : शराबी अपनी आय का अधिकांश भाग शराब पीने पर खर्च कर देता है। उसकी आय में बच्चों एवं पत्नी का हिस्सा सीमित या नगण्य हो जाता है। जिससे गरीबी, अभाव, बीमारी व बेकारी पनपती है। शराबवृत्ति से बेकारी दो रूपों में बढ़ती है- (1) शराबवृत्ति बेकारी को बढ़ावा देती है और (2) बेकारी की स्थिति शराब पीने की आदत को बढ़ाती है।

7) शराब व पारिवारिक विघटन शराब पारिवारिक विघटन का भी एक महत्वपूर्ण कारक है। एक शराबी व्यक्ति कभी-कभी ही एक अच्छा पारिवारिक व्यक्ति होता है। शराबी व्यक्ति शराब पीने मे ही अपना धन, समय व शक्ति खर्च करता है कि पारिवारिक व सामाजिक दायित्व नही निभा पाता है।

Scanned with CamScanner

1) शराब एक सामाजिक समस्या : शराब पीने पर व्यक्ति खुद को

मित्रों, परिवार व समाज से पृथक पाता है। अधिक पीने वालों के प्राथमिक सम्बन्ध टूट जाते हैं। व्यावसायिक मनोरंजन के स्थानों पर शराब के साथ नृत्य, जुआ व वेश्यावृत्ति चलती है। यह सभी सामाजिक विघटन पैदा करते हैं। जिससे समुदाय व समाज के नैतिक प्रतिमान टूट जाते हैं।

शराब की बुराइयों के कारण ही महात्मा गाँधी ने कहा था कि " मैं भारत का गरीब होना पसन्द करूँगा, लेकिन यह बर्दाश्त नहीं कर सकता कि हजारों लोग शराबी हों। अगर भारत में नशाबन्दी लागू करने के लिये शिक्षा भी बन्द करनी पड़े तो कोई परवाह नहीं"
वर्तमान में तकरीबन 30 प्रतिशत से अधिक छात्र - छात्राए धूम्रपान के साथ - साथ शराब को पीने लगे हैं।

सना परवीन
03/04/2020

Scanned with CamScanner